लघु उद्योग क्षेत्र में उत्पादन और रोजगार में वृद्धि

426. श्री दिलीप सिंह जूदेव : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1990–91, 1991–92 और 1993–94 के दौरान लघु उद्योग क्षेत्र में उत्पादन और रोजगार में कितने प्रतिशत की वृद्धि हुई है ;

(ख) रोजगार और उत्पादन में संतोषजनक वृद्धि न होने के क्या कारण हैं; और

(ग) 1994–95 के केन्द्रीय बजट से लघु उद्योगों के किस प्रकार प्रभावित/लाभान्वित होने की संभावना है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) लघु उद्योगों में उत्पादन तथा रोजगार में वृद्धि जारी रही है । लघु क्षेत्र द्वारा 1990–91, 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के दौरान किया गया उत्पादन, रोजगार और उनकी विकास दरें इस प्रकार हैं :—

वर्ष	उत्पादन*		रोजगार	
	उपलब्धि (रु. करोड़ में)	विकास दर (प्रतिशत)	उपलब्धि (संख्या लाख में)	विकास दर (प्रतिशत)
1990–91 . . .	155340	--	125.30	--
1991–92 . . .	160000	3.1	129.80	3.6
1992–93 . . .	168969	5.6	134.06	3.3
1993–94 (पी) . .	1791000@	5.9	139.38	4.0

*1990–91 के मूल्यों पर

@अप्रैल–सितम्बर, 1993 की अवधि के लिए अनुमानित ।

(ख) वर्ष 1991–92 में लघु क्षेत्र में उत्पादन की अपेक्षाकृत कम विकास दर दर्शायी है । इसे अर्थव्यवस्था में आई सामान्य मन्दी की पृष्ठभूमि में देखना होगा । विकास दर पर विदेशी मुद्रा सम्बन्धी बाधाओं, ऋण की कमी, मांग की कमी, उच्च ब्याज दर, कच्चे माल की कमी आदि जैसे प्रतिकूल कारकों से भी प्रभाव पड़ा है । विकास में वर्ष 1992–93 और 1993–94 के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है ।

(ग) उत्पाद प्रक्रियाओं को सरल बनाना, लघु उद्योग छूट योजनाओं में अतिरिक्त मदों को शामिल किया जाना, लघु उद्योग छूट योजना के सम्बन्ध में अपंजीकृत क्षेत्र को पंजीकृत क्षेत्र के समान बनाना, उत्पाद विवरणियों की संख्या में कमी, उत्पाद-शुल्क निरीक्षकों के प्रवेश पर प्रतिबन्ध, अन्य व्यक्ति के ब्रांड नाम के प्रयोग की सुविधा को वापिस लेना, कुछ मदों के सम्बन्ध में दी गई उत्पाद शुल्क सम्बन्धी छूट को वापिस लेना, अन्य राज्यों के अन्य पिछड़े जिलों में पांच वर्ष तक का कर अवकाश लागू करना आदि जैसे कुछ प्रस्तावों/उपायों की 1994–95 के केन्द्रीय बजट में घोषणा की गई है । जिससे लघु उद्योग क्षेत्र पर प्रभाव पड़ने इसे लाभ मिलने की आशा है ।

सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा किये गए निर्यात

427. श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1991–93 के दौरान सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों द्वारा किये गये निर्यात का ब्यौरा क्या है ;